वर्ष :-1 अंक:-328 11, जनवरी,2026 रविवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

मनरेगा बचाओ आंदोलन तेज, कांग्रेस ने नई योजना को मजदूर विरोधी बताया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के संरक्षण को लेकर भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर “मनरेगा बचाओ” राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का शंखनाद किया गया है। इस आंदोलन की शुरुआत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा की गई है। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए V.B. GRAM G अधिनियम के कथित दुष्प्रभावों के विरोध में यह अभियान चलाया जा रहा है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए नालंदा जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर बने मनरेगा कानून का स्वरूप बदलकर तथा मजदूर विरोधी प्रावधान जोड़कर देश के श्रमिकों और पंचायत व्यवस्था के साथ विश्वासघात किया गया है। पहले मनरेगा में 90 प्रतिशत भागीदारी केंद्र सरकार और 10 प्रतिशत राज्य सरकार की होती थी, जबकि नई व्यवस्था में इसे बदलकर 60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य कर दिया गया है। इससे राज्य सरकारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और योजना असफल साबित होगी।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस के राज्य प्रतिनिधि प्रो. बच्चन कुमार पांडे ने कहा कि मनरेगा एक कानूनी अधिकार था, जबकि नई व्यवस्था मात्र एक योजना है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान मनरेगा के तहत 4.6 करोड़ परिवारों को रोजगार मिला था। नई योजना में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को मनमाने ढंग से आवंटन किया जाएगा, जिससे विपक्ष शासित राज्यों के साथ भेदभाव की आशंका है और मजदूरों का बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ेगा।

जिला अध्यक्ष ने घोषणा की कि रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक बिहारशरीफ के अनुग्रह पार्क में गांधी प्रतिमा के समक्ष सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही 12 जनवरी से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान एवं जिला स्तरीय रैलियों के माध्यम से जनता को सच्चाई से अवगत कराया जाएगा।

प्रेस वार्ता में डॉ. अवधेश प्रसाद, बाल्मीकि पासवान, निपेंद्र कुमार, अनिल कुमार चंद्रवंशी सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएचसी हरनौत में सुरक्षित मातृत्व अभियान, 259 गर्भवती महिलाओं की जांच

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) परिसर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व एएनसी (Ante Natal Care) जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 259 से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई।

प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मुरारी ने बताया कि शिविर का आयोजन परिवार कल्याण काउंसलर प्रिया कुमारी की देखरेख में किया गया। शिविर के दौरान महिलाओं की एएनसी जांच के साथ-साथ ब्लड जांच, यूरिन जांच, एचआईवी जांच, ब्लड ग्रुप, रक्तचाप (बीपी) और भ्रूण की हार्ट बीट की भी जांच की गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने बताया कि जांच के बाद गर्भवती महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व के लिए नियमित जांच और समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। शिविर में चिकित्सक डॉ. अश्विनी की उपस्थिति में एएनएम नीलम, मंजू, कुसुम, डौली सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अपराध नियंत्रण को लेकर नालंदा एसपी की सख्त क्राइम मीटिंग आयोजित

संजय कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की अध्यक्षता में एक अहम क्राइम मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

क्राइम मीटिंग के दौरान जिले में हाल के दिनों में घटित आपराधिक घटनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, वांछित एवं फरार अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी तथा प्रभावी गश्ती व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस को और अधिक सक्रिय, सतर्कएवं जवाबदेह होकर कार्य करना होगा।एसपी ने विशेष रूप से महिला अपराध, साइबरअपराध तथा अन्य गंभीर मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में सभी पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्ती बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नालंदा जिले में शांतिपूर्ण कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारियों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा।

क्राइम मीटिंग के माध्यम से पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया कि जिले में अपराध और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

26 जनवरी को भव्य गणतंत्र दिवस समारोह, तैयारियों की जिलास्तरीय समीक्षा बैठक

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शनिवार को आगामी 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस) समारोह के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय दिखा। इस क्रम में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्य समारोह स्थल पर बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन, झंडातोलन, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज को सलामी, विभागीय झांकियों की प्रस्तुति, भीड़ नियंत्रण, विधि-व्यवस्था, स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान, खेलकूद आयोजन, नगर की साफ-सफाई, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को समसमय पूर्ण करने का निर्देश दिया।झंडातोलन कार्यक्रम का मुख्य आयोजन सोगरा उच्च विद्यालय परिसर, बिहारशरीफ में सुबह 9:00 बजे होगा। इसके बाद नालंदा समाहरणालय (9:45 बजे), जिला परिषद कार्यालय (10:00 बजे), डीआरडीए (10:10 बजे), अनुमंडल कार्यालय बिहारशरीफ (10:15 बजे), गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय (10:25 बजे), बिहारशरीफ नगर निगम (10:40 बजे), बिहारशरीफ थाना परिसर (10:50 बजे), कारगिल पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम (11:10 बजे) तथा पुलिस लाइन बिहारशरीफ में 11:25 बजे झंडातोलन निर्धारित है।

राष्ट्रीय ध्वज को आकर्षक सलामी देने हेतु परेड में डीएपी की तीन प्लाटून, होमगार्ड, एनसीसी सीनियर व जूनियर डिवीजन, स्काउट-गाइड, फायर ब्रिगेड तथा सैनिक विद्यालय राजगीर की टुकड़ियां शामिल होंगी।

जिला कल्याण पदाधिकारी को महादलित टोलों में विधिवत झंडातोलन सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी बिहारशरीफ सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी दिवस पर नालंदा कॉलेज में संगोष्ठी, विद्वानों ने रखे विचार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शनिवार को नालंदा कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी चम्पा ने किया। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और उसके महत्व को रेखांकित करना है।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रत्नेश अमन ने कहा कि यह दिवस हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार, उसके सांस्कृतिक महत्व और अंतरराष्ट्रीय पहचान को समर्पित है। वहीं अंग्रेज़ी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण परमहंस ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सरलता है, जो इसे विश्व मंच पर स्थापित करने में सहायक बनाती है।

दर्शनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक प्रो. प्रभास कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में हिंदी जहां लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है, वहीं विदेशों में यह एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बन चुकी है।

एनएसएस पदाधिकारी डॉ. विनीत लाल ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य वैश्विक पटल पर हिंदी के महत्व, प्रभाव, विस्तार और स्वीकार्यता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में हिंदी के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, खासकर प्रवासी भारतीयों के बीच, जहां नई पीढ़ी हिंदी से दूर होती जा रही है।भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. भावना ने कहा कि विश्वभर में फैले 60 करोड़ से अधिक हिंदी भाषियों को जोड़ने वाली यह भाषा प्रवासी भारतीयों के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य कर रही है।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी विश्व हिंदी दिवस के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे संगोष्ठी का वातावरण सार्थक और प्रेरणादायक बना।

विधानसभा चुनाव में उत्कृष्ट कार्य पर हरनौत के बीडीओ व शिक्षक सम्मानित

हरनौत (अपना नालंदा)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट एवं सराहनीय प्रदर्शन करने पर हरनौत प्रखंड के बीडीओ सहित कई कर्मियों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए दिया गया।सम्मानित होने वालों में हरनौत प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार, शिक्षक शिवेंदु कुमार, प्रखंड आवास पर्यवेक्षक रविकर कुमार, प्रखंड नाजिर कौशल कुमार तथा एलबीएसएम के डीईओ पंकज कुमार शामिल हैं।प्रखंड नाजिर कौशल कुमार ने जानकारी देते हुएबताया कि यह प्रशस्ति पत्र डीआरडीए कार्यालय, बिहारशरीफ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त सह 177 हरनौत विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर श्रीकांत कुंडलीक खांडेकर के हाथों प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह के दौरान डीडीसी ने कहा कि चुनाव जैसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक कार्य में प्रखंड स्तर के अधिकारियों एवं कर्मियों की भूमिका अत्यंत अहम होती है। इन सभी कर्मियों ने अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया, जिसके कारण निर्वाचन प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सकी।

सम्मान मिलने पर बीडीओ डॉ. पंकज कुमार एवं शिक्षक शिवेंदु कुमार सहित अन्य कर्मियों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

अस्थावां में संकुल समन्वयक डॉ. रामाधीन सिंह का भावपूर्ण विदाई सम्मान समारोह

आर संतोष भारती,कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड के अस्थावां स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय, बलवापर में संकुल संसाधन केंद्र के समन्वयक डॉ. रामाधीन सिंह के सेवा निवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मालती पंचायत की मुखिया नीलम देवी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय शिक्षा समिति के पदाधिकारियों तथा गणमान्य लोगों ने डॉ. सिंह के दीर्घ, समर्पित और प्रेरक सेवाकाल की सराहना की।इस अवसर पर मालती +2 उच्च विद्यालय के शिक्षक दीपक कुमार, मुरौरा पंचायत के मुखिया पति त्रिलोकी सिंह, बीपीएड कॉलेज के डॉ. राजीव रंजन सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. रामाधीन सिंह न केवल एक कुशल शिक्षक रहे, बल्कि श्रेष्ठ मार्गदर्शक के रूप में भी की। सभी के लिए प्रेरणा बने। उनके व्यवहार, अनुशासन और छात्रहितैषी दृष्टिकोण ने विद्यालय परिवार को गहराई से प्रभावित किया।विद्यालय परिवार की ओर से सतीश कुमार एवं प्राथमिक विद्यालय मुस्तफापुर के प्रधानाध्यापक प्रभात कुमार ने सेवा निवृत्त शिक्षक को दुल्हे की तरह सजी कार से उनके आवास से समारोह स्थल तक लाकर सम्मानित किया। भावुक माहौल में शिक्षिकाएं प्रियंबदा, माला सिन्हा, कुमारी संघमित्रा, कुमारी कामिनी, जूही प्रवीण, अन्नु श्री एवं गुंजन सहित सभी शिक्षकों ने संयम और गरिमा का परिचय दिया। समारोह में बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ (BPNPSS) की जिला व प्रखंड इकाइयों के कई पदाधिकारियों की सहभागिता रही। साथ ही Center of Excellence का शील्ड एवं सेवा निवृत्ति अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। अंत में सभी ने डॉ. रामाधीन सिंह के सुखद, स्वस्थ एवं सम्मानित भविष्य की कामना

प्राथमिक विद्यालय बिलारी में मध्याह्न भोजन सामग्री चोरी, प्रशासन में हड़कंप

आर संतोष भारती,कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय, बिलारी में मध्याह्न भोजन योजना के तहत संग्रहित लगभग दस क्विंटल चावल सहित अन्य खाद्य सामग्री की चोरी का मामला सामने आया है। उल्लेखनीय है कि बीते तीन महीनों के भीतर इसी विद्यालय में यह दूसरी चोरी की घटना है। इससे पूर्व अक्टूबर माह में भी विद्यालय में चोरी हुई थी, लेकिन अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। नवपदस्थापित प्रधानाध्यापिका मनीला कुमारी इस घटना से गहरे आहत दिखीं और भावुक होकर रो पड़ीं। उन्होंने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर चोरी की घटना की सूचना दी है तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

विद्यालय सूत्रों के अनुसार, चोरी की इस घटना से बच्चों के लिए संचालित मध्याह्न भोजन योजना पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। खाद्यान्न की कमी के कारण नियमित रूप से भोजन संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, ग्रामीणों में भी गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि बार-बार चोरी की घटनाएं होने के बावजूद न तो चोरों की पहचान हो पा रही है और न ही विद्यालयों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस व्यवस्था की जा रही है।

बताया जाता है कि प्रखंड के दरवेशपुरा, तरौनी, कतरडिह, बादी मुशहरी सहित अन्य कई विद्यालयों में पूर्व में भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि क्षेत्र में कोई सक्रिय चोर गिरोह कार्यरत है। फिलहाल पुलिस पदाधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं और शीघ्र खुलासे का भरोसा दिला रहे हैं।दूसरी ओर, लगातार घटनाओं के बावजूद शिक्षा विभाग की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। अब तक न तो विद्यालयों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम उठाए गए हैं और न ही जिम्मेदार अधिकारियों का कोई स्पष्ट बयान सामने आया है। ऐसे में बच्चों के पोषण और सरकारी योजनाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

अस्थावां के मोहनी गांव में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण, सैकड़ों लाभान्वित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में कड़ाके की ठंड के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। अस्थावां प्रखंड के कोनन पंचायत अंतर्गत मोहनी गांव में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कर सैकड़ों लोगों को ठंड से राहत पहुंचाई गई। इस मानवीय पहल का नेतृत्व जदयू नेता अफरोज आलम और समाजसेवी मोहम्मद उमर फारुक ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के दौरान गांव के गरीब, असहाय, बुजुर्ग, महिलाएं एवं दिव्यांगजनों के बीच बड़ी संख्या में कंबलों का वितरण किया गया। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर राहत और संतोष साफ झलकता दिखा। ग्रामीणों ने बताया कि कड़ाके की ठंड में यह सहायता उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

कंबल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अफरोज आलम ने कहा कि धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर कमजोर वर्गों की सेवा करना ही सच्ची मानवता और जिम्मेदार राजनीति है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब परिवारों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और ऐसे समय में सहायता करना प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का दायित्व है। वहीं समाजसेवी मोहम्मद उमर फारुक ने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके सामाजिक कार्यों का उद्देश्य है और आगे भी ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे।इस अवसर पर नसीर शाह, मरगीस शाह, नेबाद शाह, कैलाश रविदास, मौलवी साहब, वीवी रुवाना खातून, जायेद टेलर, दुल्ली दीनी, शिवालक रविदास, जमाल शाह, मनेवार शाह सहित कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय युवा मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में भाईचारे, सहयोग और इंसानियत की भावना को मजबूत करते

वलधा हाई स्कूल में जरूरतमंदों को कंबल वितरण, बच्चों को मिली किताबें

नगरनौसा (अपना नालंदा)। भीषण ठंड को देखते हुए शनिवार को वलधा +2 हाई स्कूल, नगरनौसा परिसर में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से कंबल एवं गर्म कपड़ा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत 300 गरीब विद्यार्थियों के परिजनों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। इसके साथ ही बच्चों को पढ़ाई में सहयोग के उद्देश्य से उपयोगी किताबें भी प्रदान की गईं।

इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार, कोषाध्यक्ष रेणु कुमारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य रसिक लाल चंद्रपाल, पंचायत समिति सदस्य संजय वर्मा, शिक्षक हरेंद्र कुमार प्रभाकर, प्रियतमा रंजन, सुनील कुमार, बब्लू सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिलास कुमार ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा इस प्रकार के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्य लगातार किए जाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 13 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मानवाधिकार के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। ठंड के मौसम में असहाय और जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाना संस्था की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने कार्यक्रम के दौरान यह भी घोषणा की कि विद्यालय के जमीनदाता एवं पंचायत के पूर्व मुखिया शिवनंदन प्रसाद की स्मृति में उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही फाउंडेशन की ओर से आगामी फरवरी माह में दो दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने की भी जानकारी दी गई।कंबल एवं किताबें पाकर गरीब परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, वहीं बच्चों में भी उत्साह का माहौल देखा गया।

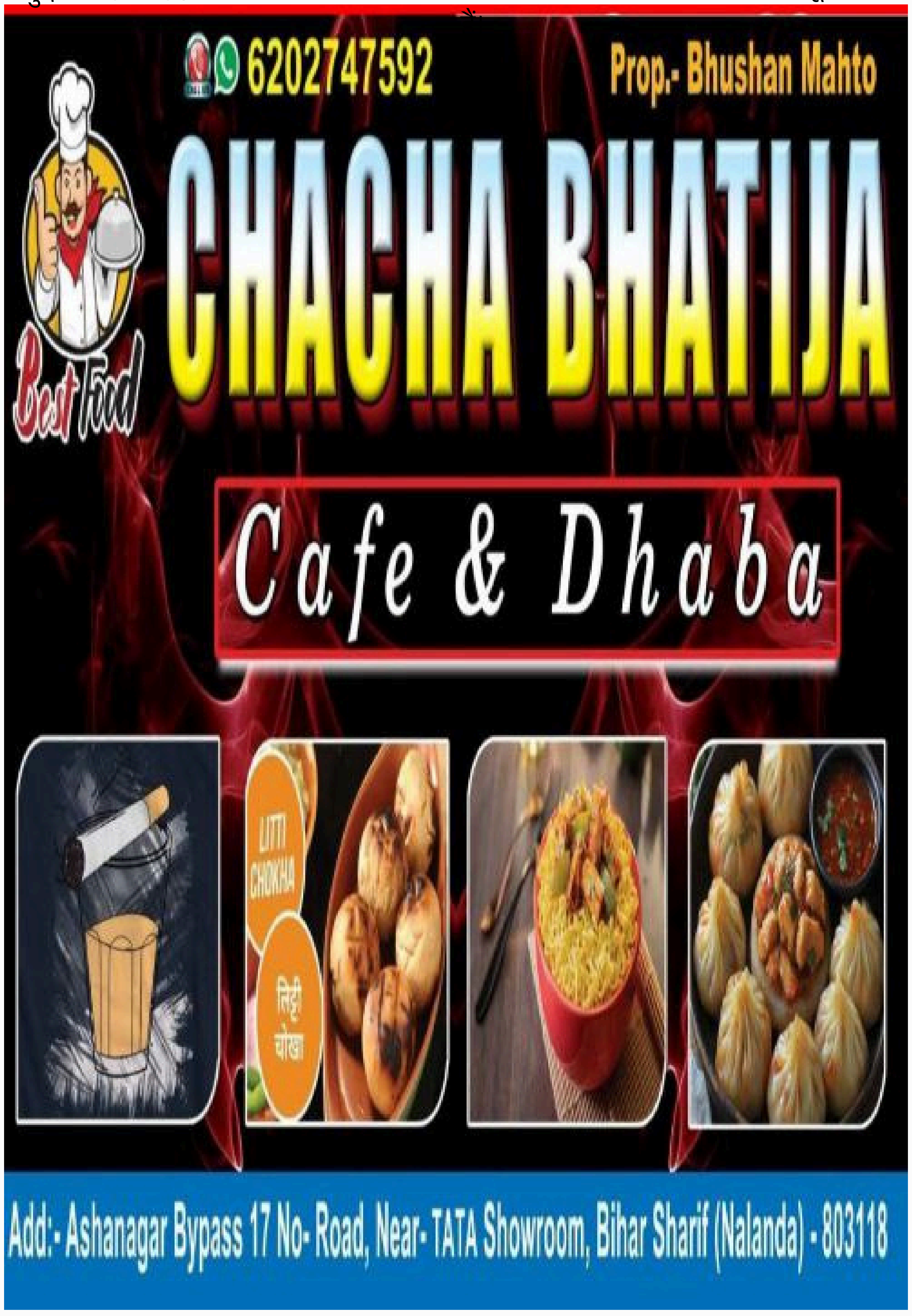

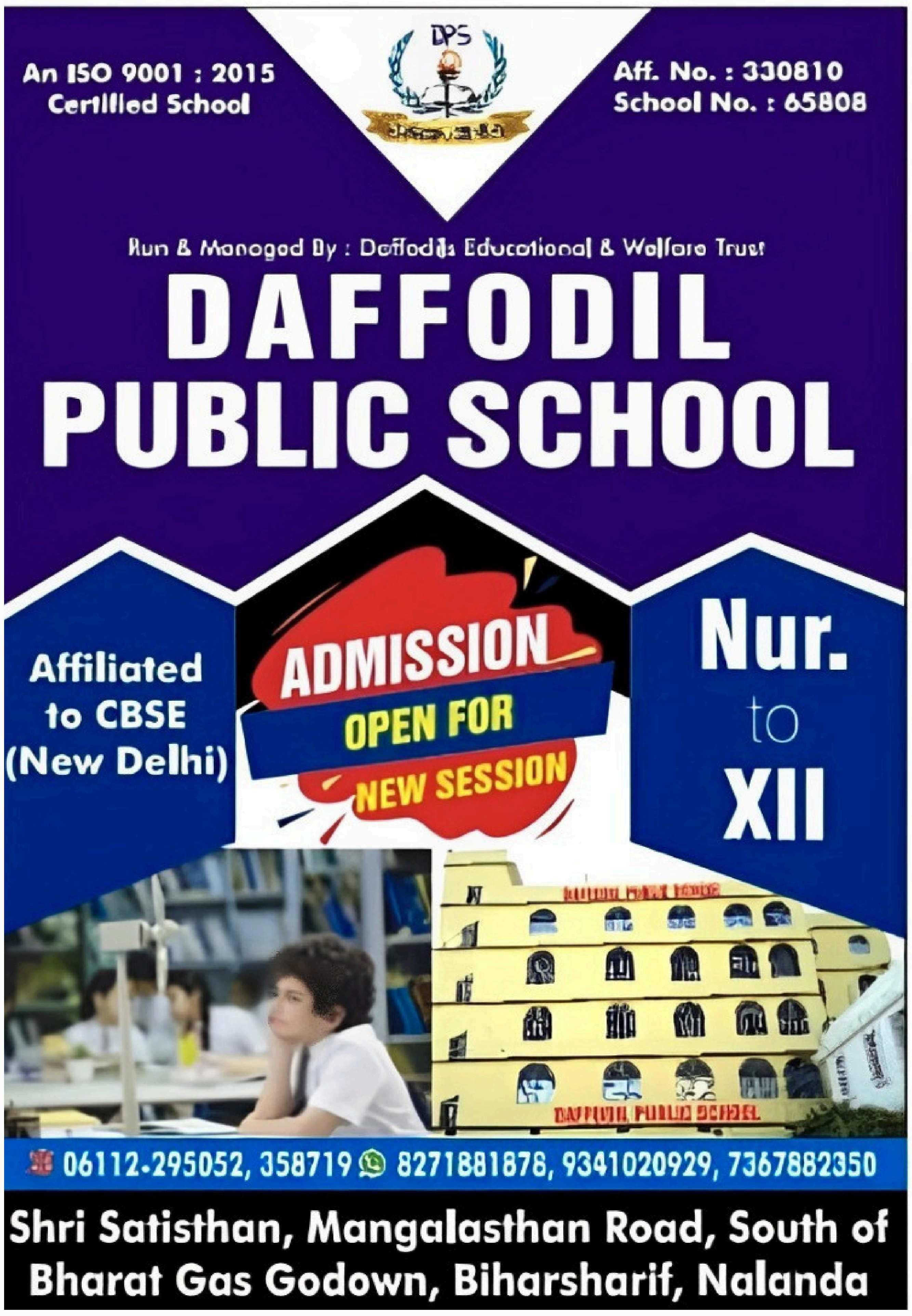

संयुक्त राष्ट्र की भाषा के रूप में हिन्दी की प्रस्तावना के साथ नालंदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

संजय कुमार, बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय में शनिवार को "हिन्दी के संवर्धन और वैश्विक संवाद" विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ. इस संगोष्ठी ने नालंदा को संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की भूमिका और संभावनाओं पर महत्वपूर्ण वैश्विक विमर्श के एक प्रमुख अकादमिक मंच के रूप में प्रस्तुत किया.

समापन दिवस पर आयोजित पंचम सत्र "उच्च शिक्षण संस्थानों का योगदान" तथा षष्ठ सत्र "हिन्दी सेवी संस्थाओं का योगदान" में इस बात पर बल दिया गया कि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों की साझा भागीदारी के बिना हिन्दी को वैश्विक स्तर पर सशक्त करना संभव नहीं है.

अंतिम अकादमिक सत्र "संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के रूप में हिन्दी: एक प्रस्तावित मार्ग" पर केंद्रित रहा, जिसे प्रो. विनोद कुमार मिश्र, पूर्व महासचिव, विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस ने प्रस्तुत किया और लिस्बन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शिव कुमार सिंह ने हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा के रूप में स्थापित करने के पक्ष में सशक्त रूप से अपने विचार और तर्क रखे. इस सत्र में संयुक्त राष्ट्र की भाषा नीति के ऐतिहासिक विकास-1945 में पाँच भाषाओं की स्वीकृति तथा 1973 में अरबी भाषा के समावेश- पर चर्चा करते हुए यह रेखांकित किया गया कि किसी भाषा को आधिकारिक दर्जा दिलाने की प्रक्रिया दीर्घकालीन कूटनीति, वित्तीय सहयोग और बहुपक्षीय समर्थन पर आधारित होती है. अरबी भाषा का अनुभव हिन्दी के लिए एक व्यावहारिक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया.

विमर्श में हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति, विशाल भाषी समुदाय, तकनीक और इंटरनेट के माध्यम से बढ़ते प्रसार तथा 'हिंदी@यू एन' पहल के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की वास्तविक उपस्थिति को महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया गया.

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि, "संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के रूप में हिन्दी केवल भाषायी गौरव का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह हमारी सभ्यतागत उपस्थिति और बौद्धिक आत्मविश्वास की प्रगति का भी प्रतीक है. उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संस्थागत तैयारी तथा दीर्घकालीन रणनीति अनिवार्य है. वैश्विक परिदृश्य में उभर रहे 'ग्लोबल साउथ' के महत्त्व के साथ यह प्रस्ताव और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है."

सत्र के दौरान, नालंदा विश्वविद्यालय और केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान (CIHTS), सारनाथ के बीच शैक्षणिक एवं बौद्धिक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया. दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक और शोध आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए. यह एमओयू नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी एवं केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डब्ल्यू. डी. नेगी द्वारा आज विश्वविद्यालय के राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ. यह साझेदारी ज्ञान-परम्पराओं के संवाद, अंतर्विषयक शोध और अकादमिक सहयोग को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी.

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हिन्दी को वैश्विक विमर्श, कूटनीति और ज्ञान-परम्पराओं के केंद्र में स्थापित करने के साझा संकल्प के साथ हुआ- जो नालंदा की ऐतिहासिक वैश्विक विरासत को समकालीन संदर्भ में आगे बढ़ाने का काम करेगा.

देशी डिप्लोमा प्रशिक्षुओं का पान अनुसंधान केंद्र भ्रमण, औषधीय पौधों की जानकारी

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र हरनौत परिसर में संचालित देशी (कृषि विस्तार सेवाओं में इनपुट डीलरों के लिए डिप्लोमा) कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस क्रम में 40 प्रशिक्षुओं ने पान अनुसंधान केंद्र इस्लामपुर का दौरा किया, जहां उन्हें विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।कृषि विज्ञान केंद्र की वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. सीमा कुमारी ने बताया कि भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं को पतालमेघ (कालमेघ) एवं अश्वगंधा सहित अन्य औषधीय पौधों के गुण, उपयोग और खेती की संभावनाओं से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि कालमेघ एक कड़वा औषधीय पौधा है, जो लिवर संबंधी रोगों में लाभकारी होता है। इसके अलावा यह बुखार कम करने, सूजन घटाने, पाचन सुधारने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, शुगर नियंत्रण, त्वचा रोग एवं वायरल संक्रमण में भी उपयोगी है। वहीं अश्वगंधा को एक प्रभावी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह तनाव कम करने, नींद में सुधार, ऊर्जा बढ़ाने, पुरुष प्रजनन क्षमता बढ़ाने, मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बेहतर करने तथा रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में सहायक है।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी सह मृदा विज्ञान के वैज्ञानिक डॉ. यू.एन. उमेश ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों से चयनित 40 प्रशिक्षणार्थियों को प्रत्येक शुक्रवार को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह देसी डिप्लोमा कोर्स कुल 48 सप्ताह का है, जिसकी शुरुआत 28 मई 2025 को हुई है और यह आगामी 28 मई तक चलेगा।उन्होंने बताया कि कोर्स पूरा करने के बाद मैट्रिक उत्तीर्ण युवा जिला कृषि कार्यालय से खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रय का लाइसेंस प्राप्त करने के पात्र होंगे। इसके लिए रसायन या कृषि स्नातक की डिग्री आवश्यक नहीं होगी। यह कार्यक्रम MANAGE Hyderabad की पहल पर संचालित है, जिसका उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य पर नगरनौसा के बीडीओ सहित कर्मी सम्मानित

नगरनौसा (नालंदा)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर नगरनौसा प्रखंड के बीडीओ सहित कई पदाधिकारियों एवं कर्मियों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) द्वारा सभी चयनित कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सम्मानित होने वालों में प्रखंड विकास पदाधिकारी ओमप्रकाश कुमार, शिक्षक शैलेन्द्र शरण, कार्यपालक सहायक सत्येंद्र कुमार तथा पीटीए दिनेश कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल हैं। इन सभी ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी,

निष्ठा और कुशलता के साथ निर्वहन किया। डीडीसी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सफल चुनाव संपन्न कराने में प्रखंड स्तर के अधिकारियों एवं कर्मियों की भूमिका सराहनीय रही है। उनके समर्पण और टीमवर्क के कारण निर्वाचन कार्य समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से पूरा हो सका।सम्मान मिलने पर बीडीओ ओमप्रकाश कुमार सहित सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मकर व मलमास मेला 2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा

अखिलेंद्र कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शनिवार को कुंदन कुमार, जिला पदाधिकारी, नालंदा एवं भारत सोनी, पुलिस अधीक्षक, नालंदा की संयुक्त अध्यक्षता में मकर मेला-2026 एवं मलमास मेला-2026 के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था संधारण को लेकर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि राजगीर में मकर मेला का आयोजन 14 जनवरी से 20 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। मकर मेला राज्य सरकार द्वारा घोषित राजकीय मेला है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक विभिन्न कुंडों व धाराओं में स्नान, पूजा-अर्चना तथा ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के भ्रमण हेतु पहुंचते हैं।

जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं व पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुव्यवस्थित आयोजन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, मेला क्षेत्र का सौंदर्यीकरण तथा सभी सांस्कृतिक व खेलकूद कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया।मकर मेला 2026 के अंतर्गत उद्घाटन कार्यक्रम 14 जनवरी को मेला थाना परिसर, राजगीर में होगा। इसी अवधि में कृषि मेला, विभागीय स्टॉल, पतंग प्रतियोगिता व प्रदर्शनी, ब्रह्म कुंड में महाआरती, संत समागम यात्रा, दंगल प्रतियोगिता, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, क्विज व वाद-विवाद, विख्यात कलाकारों की प्रस्तुति, टमटम व पालकी सज्जा, दुधारू पशु प्रदर्शनी, कृषि उत्पादन प्रदर्शनी तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। मेला का समापन 20 जनवरी 2026 को होगा।

बैठक में मलमास मेला-2026 को लेकर भी विशेष समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस, दंडाधिकारी एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन के माध्यम से भीड़ पर सतत नजर रखी जाएगी। असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त, सहायक प्रशिक्षु समाहर्ता, संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन), जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा), नजारत शाखा के पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर नालंदा के शिवालयों में गूंजा ऊंकार मंत्र

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शनिवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर नालंदा जिले के विभिन्न शिवालयों में ऊंकार मंत्र की गूंज सुनाई दी। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर किया गया। यह पर्व प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर की अटूट आस्था, संघर्ष और गौरवशाली पुनर्निर्माण के इतिहास को स्मरण करते हुए मनाया गया।बताया गया कि आज ही के दिन वर्ष 1026 में महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया गया था। उसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्मरण करते हुए, मंदिर के पुनर्निर्माण और सनातन स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में देशभर के शिवालयों में दीप प्रज्वलन एवं ऊंकार मंत्रोच्चारण का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बिहारशरीफ में भाजपा मध्य मंडल के अंतर्गत पालिका बाजार, शिवपुरी मोहल्ला स्थित मनोकामना शिव मंदिर, ब्लॉक कॉलोनी तथा बड़ी पहाड़ी पावर ग्रिड क्षेत्र के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। .कार्यक्रम का नेतृत्व बिहारशरीफ मध्य नगर अध्यक्ष धनंजय कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अरविंद पटेल व डॉ अशुतोष कुमार, जिला मंत्री अमरेश कुमार, कार्यालय मंत्री गोपाल कुमार, आईटी सेल संयोजक अमित शान, नगर उत्तरी अध्यक्ष संदीप कुमार, दक्षिणी मंडल अध्यक्ष अविनाश कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अपने पैतृक गांव प्यारेपुर स्थित शिवालय में पूजा-अर्चना के उपरांत भाजपा नालंदा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भारतीय सभ्यता और संस्कृति की अमरता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की सांस्कृतिक चेतना और अधिक सशक्त हो रही है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भी इसी सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत नालंदा जिले के सभी प्रमुख शिवालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

हरनौत में पीएम आवास सत्यापन सुस्त, कोलावां पंचायत का प्रदर्शन बेहतर रहा

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन का कार्य अपेक्षाकृत धीमी गति से चल रहा है। विभाग द्वारा निर्धारित समयसीमा के अनुसार यह कार्य 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है, लेकिन मौजूदा प्रगति को देखते हुए लक्ष्य पूरा होना चुनौतीपूर्ण प्रतीत हो रहा है।

प्रखंड में कुल 18,826 आवेदनों के मुकाबले अब तक केवल 8,059 आवेदनों का ही सत्यापन हो सका है। सत्यापन कार्य में हो रही देरी को लेकर डॉ. पंकज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, लगातार संबंधित कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे हैं और कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दे रहे हैं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा है।

सत्यापन कार्य को गति देने के उद्देश्य से पंचायत सचिव, आवास सहायक एवं रोजगार सेवक की ड्यूटी लगाई गई है। बीडीओ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पंचायत स्तर पर निर्धारित लक्ष्य से कम प्रगति करने वाले कर्मियों को कड़ी चेतावनी दी गई है तथा समयसीमा के भीतर कार्य पूरा नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि किसी भी सरकारी योजना में भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वहीं प्रखंड आवास पर्यवेक्षक रविकर कुमार रवि ने बताया कि कोलावां पंचायत में 1,365 आवेदनों में से 890 लाभुकों का सत्यापन पूरा हो चुका है, जो प्रखंड में अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है। इसके विपरीत सरथा पंचायत की स्थिति सबसे कमजोर है, जहां 1,459 आवेदनों में से मात्र 233 का ही सत्यापन हो सका है। इसके अलावा बराह और सोराडीह पंचायतों की प्रगति भी संतोषजनक नहीं बताई गई है।

अब देखना यह है कि शेष बचे आवेदनों का सत्यापन तय समयसीमा के भीतर पूरा हो पाता है या नहीं।

माता सुशीला संस्थान के बीएड व डीएलएड प्रशिक्षुओं को चार माह का अभ्यास-पाठ

संजय कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। माता सुशीला इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, हिलसा (सैयद बरही) के बी.एड. (सत्र 2024-26) एवं डी.एल.एड. (सत्र 2024-26) के प्रशिक्षुओं को चार माह के अभ्यास-पाठ हेतु विभिन्न विद्यालयों में भेजा गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षु रामबाबू हाई स्कूल, रामचंद्र गुप्ता हाई स्कूल, मई हाई स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में वास्तविक कक्षा-कक्ष में शिक्षण अनुभव प्राप्त करेंगे।

अभ्यास-पाठ का उद्देश्य भावी शिक्षकों को व्यावहारिक शिक्षण कौशल से सशक्त बनाना है, ताकि वे कक्षा प्रबंधन, विविध शिक्षण विधियाँ, पाठ-योजना निर्माण, शैक्षणिक अनुशासन तथा विद्यार्थियों के साथ व्यवहारिक समन्वय को वास्तविक परिवेश में सीख सकें। यह प्रशिक्षण उनके व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और शिक्षण दक्षता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

डॉ. अभिजीत कुमार गौतम, अध्यक्ष, गौतम ग्रुप ने बताया कि सभी प्रशिक्षु वास्तविक कक्षाओं में शिक्षण कार्य करेंगे तथा आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रयोग करेंगे। विद्यालयों के विषय-शिक्षक एवं संस्थान के प्राध्यापक समय-समय पर मार्गदर्शन एवं निरीक्षण करेंगे।डॉ. विनोद कुमार, कार्यकारी सचिव ने कहा कि प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन शिक्षण कौशल, प्रस्तुतीकरण, अनुशासन और विद्यार्थियों से संवाद के आधार पर किया जाएगा। वहीं डॉ. विश्वमोहन कुमार, प्राचार्य ने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षु विषयानुसार दैनिक पाठ-योजना तैयार करेगा।

इस अवसर पर अरविंद कुमार यादव, हरे राम सिंह, हरेंद्र प्रसाद यादव, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अरुण कुमार तथा सर्वेंद्र यादव सहित संस्थान एवं विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा
रविवार 7
11, जनवरी,2026

नई शिक्षा नीति के तहत सामवेशी शिक्षा पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

आर संतोष भारती,कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड संसाधन केंद्र, बादी में शनिवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत सामवेशी शिक्षा विषय पर आयोजित तीन दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में सभी वर्गों के बच्चों को समान अवसर प्रदान करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान, उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को समझने तथा कक्षा-कक्ष में समावेशी शिक्षण पद्धतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर चन्दन कुमार सिंह एवं श्याम लाल महतो ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 में प्रत्येक बच्चे की रुचि, क्षमता और सीखने की गति के अनुसार शिक्षा देने पर विशेष बल दिया गया है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रह जाए।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अब्दुल मन्नान ने अपने संबोधन में कहा कि सामवेशी शिक्षा केवल एक शैक्षणिक नीति नहीं, बल्कि हमारा सामाजिक दायित्व है। उन्होंने प्रखंड के कुल 40 नोडल शिक्षकों से अपील की कि

प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभव को वे अपने-अपने विद्यालयों में व्यवहार में उतारें तथा कमजोर, वंचित और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रशिक्षण सत्रों में समूह चर्चा, गतिविधि आधारित शिक्षण, केस स्टडी तथा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों से अवगत कराया गया। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि इससे कक्षा संचालन में सकारात्मक एवं प्रभावी बदलाव आएगा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के संकल्प के साथ प्रशिक्षण का औपचारिक समापन किया गया। इस मौके पर अजय प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार, अनिल कुमार साह, राकेश कुमार, विजय कुमार, हरिनंदन कुमार सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित रहे।

रहुई अंचल में भूमि विवादों को लेकर जनता दरबार आयोजित, पांच मामले

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई अंचल कार्यालय परिसर में जमीनी विवादों के निपटारे को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार की अध्यक्षता अंचलाधिकारी मनोज कुमार एवं थानाध्यक्ष ललित विजय ने संयुक्त रूप से की। दरबार में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद से संबंधित अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।जनता दरबार के दौरान कुल पांच भूमि विवाद के मामले प्रस्तुत किए गए। अधिकारियों ने सभी मामलों को एक-एक कर गंभीरता से सुना और दोनों पक्षों की दलीलों को ध्यानपूर्वक समझा। फरियादियों को आपसी सहमति से समाधान निकालने के साथ-साथ कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ने की सलाह दी गई।हालांकि, जनता दरबार के दौरान किसी भी मामले का तत्काल निष्पादन नहीं हो सका। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भूमि से जुड़े विवाद अत्यंत संवेदनशील होते हैं और इनका समाधान सभी आवश्यक दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों तथा तथ्यों की गहन जांच के बाद ही संभव है।

बिना पूर्ण सत्यापन के किसी भी निर्णय से भविष्य में विवाद और बढ़ सकता है।प्रशासन की ओर से सभी फरियादियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने मामलों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के साथ आगामी शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में पुनः उपस्थित हों। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर स्थायी और न्यायसंगत समाधान निकाला जाएगा। जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने अगली सुनवाई में अपने मामलों के ठोस निष्कर्ष की उम्मीद जताई। वहीं अंचल एवं थाना प्रशासन ने आश्वासन दिया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और कानून के दायरे में रहकर सभी भूमि विवादों का समाधान किया जाएगा।

जीविका कार्यालय में बीपीएम की बैठक, दीदीयों के सशक्तिकरण पर चर्चा

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय बाजार स्थित एक निजी भवन में संचालित जीविका कार्यालय में शनिवार को जीविका दीदीयों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जीविका के बीपीएम मो. अफताब आलम ने की। इस अवसर पर जिले से सतत् जीविकोपार्जन योजना (एसजेवाई) के प्रतिनिधि विकास कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बीपीएम मो. अफताब आलम ने बताया कि यह बैठक प्रखंड अंतर्गत नारी, चांद एवं तारा संकुल स्तरीय संघ (सीएलएफ) से चयनित जीविका दीदीयों के साथ आयोजित की गई

थी। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जीविका योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकालकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।

तथागत अंतर विद्यालय वॉलीबॉल ट्रॉफी संपन्न, सेंट मैरी स्कूल बरबीघा विजेता

संजय कुमार,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रोटरी क्लब तथागत, बिहारशरीफ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय "तथागत अंतर विद्यालय वॉलीबॉल चैंपियंस ट्रॉफी" का आयोजन 9 एवं 10 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक किया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्याम नारायण द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को समय पर भोजन करने, पढ़ाई पर ध्यान देने और अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखने का संदेश दिया।पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रतियोगिता केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का उत्सव है। क्लब सचिव मधु कंचन ने कहा कि वॉलीबॉल ताकत के साथ-साथ समन्वय, धैर्य और रणनीति का खेल है, जो जीवन में सफलता के लिए भी आवश्यक गुण हैं।परियोजना निर्देशक एवं पूर्व अध्यक्ष जोसेफ टी. टी. ने कहा कि खेल में जीत और हार दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। हार हमें सीख देती है और जीत प्रेरणा प्रदान करती है, लेकिन सबसे बड़ी जीत वही है जो नियमों और खेल भावना के साथ हासिल की जाए।

क्लब अध्यक्ष परमेश्वर महतो ने बताया कि टूर्नामेंट पूरी तरह सफल रहा और इसमें कुल आठ विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेंट मैरी स्कूल, बरबीघा की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सेंट जोसेफ अकादमी, बिहारशरीफ की टीम उपविजेता रही। दोनों टीमों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्लब के सदस्यों, विद्यालय प्रशासन, निर्णायक मंडल, स्वयंसेवकों, रेफरी, स्कोरर तथा प्रायोजक परिवार रेडीमेड, कोणार्क इंटरप्राइजेज, एलआईसी एवं रोहन बुक कंपनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रहुई में राजमिस्त्रियों को आपदा-रोधी भवन निर्माण का विशेष प्रशिक्षण शुरू

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। आपदा के समय सबसे अधिक जान-माल की क्षति कमजोर और अवैज्ञानिक भवन निर्माण के कारण होती है। इसी खतरे को कम करने के उद्देश्य से नालंदा जिले के रहुई प्रखंड स्थित प्रशिक्षण भवन में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से राजमिस्त्रियों को आपदा-रोधी (डिजास्टर रेसिस्टेंट) भवन निर्माण का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भूकंप, बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भवनों को सुरक्षित बनाना है, ताकि संभावित जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

पटना से आए प्रशिक्षक प्रियांशु उपाध्याय ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए कुल 30 राजमिस्त्रियों का चयन किया गया था, जिनमें से वर्तमान में 24 राजमिस्त्री प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण के दौरान राजमिस्त्रियों को भवन निर्माण की पूरी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। इसमें फाउंडेशन की मजबूती, दीवारों की सही पकड़, बीम और कॉलम का संतुलित अनुपात, स्लैब निर्माण की तकनीक तथा आधुनिक आपदा-रोधी उपायों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों ने बताया कि यदि निर्माण के शुरुआती चरण से ही वैज्ञानिक और मानक तकनीकों का पालन किया जाए, तो बड़े हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 14 जनवरी तक चलेगा। स्थानीय लोगों और प्रतिभागियों का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से न केवल भवन निर्माण की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि भविष्य में आने वाली आपदाओं के दौरान सैकड़ों जिंदगियों को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम को लेकर राजमिस्त्रियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

विश्व हिन्दी दिवस पर सम्मेलन में हिन्दी-सेवियों का सम्मान, कवि-गोष्ठी आयोजित

सुजीत कुमार,पटना (अपना नालंदा)। विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित भव्य समारोह में हिन्दी की वैश्विक प्रगति और महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। समारोह का उद्घाटन करते हुए बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि हिन्दी आज विश्व में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली भाषा है। बोलने और समझने वालों की संख्या के आधार पर यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। उन्होंने बताया कि 150 से अधिक देशों के 200 से ज्यादा विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जा रही है और 8 अरब से अधिक लोग हिन्दी पढ़, लिख और बोल सकते हैं।

प्रेम कुमार ने कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार और आत्मसम्मान की वाहक है। हमें गर्व के साथ हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि उपभोक्ता संरक्षण आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि हिन्दी को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए सभी देशों में इसके अध्यापन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने कहा कि हिन्दी एक वैज्ञानिक, सरस और बाज़ार की मांग के अनुरूप भाषा है। इसके बावजूद संविधान द्वारा प्रदत्त स्थान के अनुरूप आज भी हिन्दी को व्यवहार में पूर्ण प्रतिष्ठा नहीं मिल पाई है। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए 16 हिन्दी-सेवियों को 'हिन्दी-रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। साथ ही आयोजित कवि-गोष्ठी में अनेक वरिष्ठ कवियों और कवयित्रियों ने हिन्दी की समृद्धि और सामाजिक सरोकारों पर आधारित रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

गंगासागर यात्रियों के लिए मगही संघ का निशुल्क सेवा शिविर शुरू

पटना (अपना नालंदा)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गंगासागर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए मगही मगध नागरिक संघ द्वारा 12 एवं 13 जनवरी 2026 को निशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह सेवा शिविर कोलकाता के हावड़ा स्टेशन परिसर में लगाया जाएगा। संघ पिछले 12 वर्षों से लगातार गंगासागर तीर्थयात्रियों के लिए यह सेवा प्रदान करता आ रहा है।संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि "सब तीरथ बार-बार, गंगासागर एक बार" की सनातन परंपरा के अनुरूप मकर संक्रांति के अवसर पर गंगासागर स्नान का विशेष महत्व है। इसी भावना के साथ संघ तीर्थयात्रियों की निःस्वार्थ सेवा करता है। उन्होंने कहा कि मगही संघ एक साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था है, जो मगही भाषा-संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ मानव सेवा के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है।सेवा शिविर में तीर्थयात्रियों के लिए प्राथमिक उपचार, निःशुल्क पेयजल वितरण, मार्गदर्शन पुस्तिका तथा सागर मेला तक पहुंचने और ठहरने से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष रूप से दूर-दराज के गांवों से आने वाले बुजुर्ग यात्रियों को भटकने से बचाने के लिए संघ के स्वयंसेवक दिन-रात सहयोग में तैनात रहेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रशासनिक सुविधाओं, सहायता केंद्रों और अन्य संगठनों के शिविरों की जानकारी भी यात्रियों को दी जाएगी, जहां निःशुल्क ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था रहती है।

संघ ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे बिना किसी संकोच के पवित्र स्नान के लिए आएं, क्योंकि सरकार द्वारा यात्रा मार्ग को अब अधिक सुगम और सुरक्षित बना दिया गया है। बिहार, विशेषकर मगध क्षेत्र से आने वाले यात्रियों की सहायता के लिए संपर्क नंबर 7003315657 जारी किया गया है।

शिविर में पारस सिंह, उदय शर्मा, विजय सिंह, केदारनाथ सिंह, बिगेंद्र सिंह, सतनारायण शर्मा, राम अवतार राम, चमारी शर्मा, अर्जुन वर्मा, विक्रम सिंह, संकेत शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, सत्येंद्र सिंह, राजकुमार सिंह सहित अन्य सदस्य सेवा में सक्रिय

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर खाजपुरा शिव मंदिर में भव्य दीपोत्सव आयोजित

सुजीत कुमार,पटना (अपना नालंदा)। सोमनाथ मंदिर पर हुए ऐतिहासिक आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गौरवशाली सभ्यता, आस्था और आत्मसम्मान के स्मरण हेतु 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–2026' के अंतर्गत पटना स्थित खाजपुरा शिव मंदिर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने खाजपुरा शिव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और दीप प्रज्वलित कर बिहारवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि 1000 वर्ष पूर्व बर्बर आक्रांता मुहम्मद गजनवी द्वारा पवित्र सोमनाथ मंदिर के विध्वंस का प्रयास किया गया था, किंतु भारत की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नष्ट नहीं किया जा सका। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में उसी गौरवशाली इतिहास को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में पूरे देश में स्मरण किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत निरंतरता, सहनशीलता और पुनर्निर्माण की अदम्य परंपरा का प्रतीक है। बार-बार आक्रमणों के बावजूद भक्तों के सामूहिक संकल्प से इसका पुनर्निर्माण हुआ, जिसने इसे राष्ट्रीय स्मरण और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना दिया।

इस अवसर पर खाजपुरा शिव मंदिर परिसर में 1000 दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा परिसर दिव्य रोशनी से जगमगा उठा। दीपोत्सव कार्यक्रम श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के संरक्षक एवं विधायक डॉ. संजीव चौरसिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के संगठन महामंत्री भीखूभाई दालसनिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व विनाश की स्मृति नहीं, बल्कि भारत के उन वीरों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए बलिदान दिया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

बंगाल चुनाव को लेकर लोजपा (रा) सक्रिय, राजेश वर्मा नियुक्त प्रभारी

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए खगड़िया के सांसद राजेश वर्मा को पश्चिम बंगाल का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसी क्रम में राजेश वर्मा इन दिनों तीन दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। इस दौरान वे पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करेंगे। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी, ताकि चुनावी तैयारियों को समय रहते अंतिम रूप दिया जा सके।जेश वर्मा के दौरे के दौरान प्राप्त रिपोर्ट एवं रा कार्यकर्ताओं के सुझावों के आधार पर केंद्रीय संसदीय बोर्ड को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके बाद लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा चुनाव को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट मानना है कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनाना है। पार्टी का दावा है कि पश्चिम बंगाल की जनता वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार, तानाशाही रवैये और तुष्टिकरण की राजनीति से त्रस्त हो चुकी है।

राज्य की जनता एवं एनडीए के समर्पित कार्यकर्ता पूरे जोश और दृढ़ संकल्प के साथ परिवर्तन के लिए तैयार हैं। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।